[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 276 **F** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 205341

Name of the Paper : Hindi C
प्रश्नपत्र 11 : आधुनिक भारतीय भाषा : हिंदी 'ग' (MIL HINDI C)

Name of the Course : **B.A. (Programme) Hindi**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों के उत्तर एक ही स्थान पर लिखिए।

1. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

मास्टर बोले, "यों मत कहना, पढ़ा-लिखा हूँ, मैं हूँ शिक्षक
तुम भी हो जनता के सेवक, मैं भी हूँ जनता का सेवक"
फिर तो वे धकियाकर बोले, "भाग-भाग, जा मत कर बकबक
हम फौजी हैं, नहीं समझता क्या होता है सिच्चक-सेपक"

(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से ली गई है ? इसके कवि का नाम लिखिए। (2)

(ख) जनता के सेवक से क्या तात्पर्य है ? (2)

(ग) "भाग-भाग, जा मत कर बकबक" में कवि किसको संबोधित कर रहा है और क्यों ? (3)

(घ) उपर्युक्त पंक्तियों की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (3)

2. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

विज्ञापन-कला जिस तेजी से उन्नति कर रही है, उससे मुझे भविष्य के लिए और भी अंदेशा है। लगता है कि अब ऐसा युग आने वाला है, जब शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और साहित्य, इनका केवल विज्ञापन-कला के लिए ही उपयोग रह जाएगा। वैसे तो आज भी इस कला के लिए इनका खासा उपयोग होता है। बहुत-सी शिक्षण-संस्थाएँ हैं, जो सांप्रदायिक संस्थाओं का विज्ञापन हैं। कई कला-केन्द्र कुछ स्वनामधन्य लोगों की दानवीरता का विज्ञापन हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ का नाम और लेखक का नाम लिखिए। (2)

(ख) विज्ञापन-कला की तेजी से उन्नति के कारण लेखक चिन्तित क्यों है ? (1)

(ग) संस्कृति और विज्ञापन के संबंध को स्पष्ट कीजिए। (1)

(घ) 'कई कला-केन्द्र कुछ स्वनामधन्य लोगों की दानवीरता का विज्ञापन हैं।' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (1)

3. 'धर्म की आड़' नामक लेख का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'स्त्रीषु हिंसा हिंसा न भवति' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। (5)

4. (क) अवधी अथवा हरियाणवी बोली का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (5)

(ख) राजभाषा का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (5)

(ग) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति पर प्रकाश डालिए। (5)

5. (क) निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

लोकतंत्र केवल एक शासन-पद्धति नहीं है, बल्कि वह एक जीवन-प्रणाली है। अतएव लोकतांत्रिक आदर्शों को केवल राजनीतिक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रखा जा सकता, मानव-जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उनको प्रतिष्ठित करना आवश्यक है। अगर कोई नवजात राष्ट्र दूसरे देशों की लोकतांत्रिक शासन-पद्धति का ही अनुकरण करता है और केवल उसी को प्रगति का सूचक मान

लेता है, तो वह कदापि सच्चा लोकतांत्रिक शासन स्थापित करने में सफल नहीं हो सकता। इसके लिए देश में लोकतांत्रिक भावना का होना आवश्यक है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए। (1)

(ii) लोकतंत्र क्या है ? इसका आदर्श क्या होना चाहिए ? (2)

(iii) किसी देश में लोकतांत्रिक भावना का होना क्यों आवश्यक है ? (2)

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए - (5)

(i) साहित्य और जीवन में घोर संबंध है।

(ii) जो लोग मेरी सहायता कर सकें, उनसे हम मिलना चाहता हूँ।

(iii) उसका प्राण निकल गया।

(iv) मुझको यह बात मत बोलो।

(v) वह एक अच्छे आदमी है।

(ग) किन्हीं **पाँच** मुहावरों और लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए - (5)

(i) अंधे की लकड़ी

(ii) आकाश-पाताल एक करना

(iii) ऊँचा सुनना

(iv) एक लाठी से सबको हाँकना

(v) आँख का अंधा–नाम–नयनसुख

(vi) उँगली पकड़ते ही पहुँचा पकड़ना

(vii) श्री गणेश करना

(viii) आँखें लाल-पीली करना

6. (क) व्यावसायिक पत्र-लेखन से क्या अभिप्राय है ? **एक** अच्छे व्यावसायिक पत्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

किसी वाशिंग मशीन कंपनी का स्थानीय विक्रय-केंद्र खोलने के संबंध में कंपनी के प्रबंधक को पत्र लिखिए। (7)

(ख) प्रतिवेदन का क्या अर्थ है ? प्रतिवेदन का स्वरूप उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) में हुए कार्यक्रम पर प्रतिवेदन तैयार कीजिए। (8)

7. किसी **एक** विषय पर 250-300 शब्दों में निबंध लिखिए - (10)

(क) महिलाओं की सुरक्षा

(ख) वास्तविक जीवन और शिक्षा पद्धति

(ग) प्रदूषण की समस्या

(घ) देश प्रेम की भावना